कृपया प्रकाशनार्थ **21 मार्च 2011**

गैस सिलंडर की किल्लत दूर करो
राम नाईक की पेट्रोलियम मंत्री से माँग

मुंबई, सोमवार :पुरे देश में गैस सिलंडर की झूठी किल्लत पैदा की गई है जिसके कारण कालाबाजार हो रहा है, इस किल्लत हो दूर करें, ऐसा आवाहन पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में विद्यमान पेट्रोलियम मंत्री श्री. जयपाल रेड्डी को किया. इस समय भाजपा उत्तर पश्चिम मुंबई के पूर्व अध्यक्ष श्री. सुमंत घैसास भी उनके साथ थे. पेट्रोलियम सचिव श्रॄ एस. सुंदरेशन तथा संयुक्त सचिव श्री. अपूर्वचंद्र भी इस बैठक में उपस्थित थे.

देश में गैस सिलंडर की किल्लत की हद हो गयी है. वाजपेयी सरकार ने गरीब तथा पहाडी इलाकों में रहनेवाली जनता के लिए जो पाँच किलो का सिलंडर बाजार में लाया था वह तो मानो घरेलु ग्राहकों के लिए बंद ही किया है. अन्य सिलंडरों की इतनी भारी किल्लत है की कई जगह ग्राहकों को महिने से भी अधिक इंतजार करना पड रहा है. इस अंदाधुंदी के कारण अफरातफरी और कालाबाजार तेजी में है, उसे फौरन बंद करें, ऐसा अनुरोध श्री. नाईक ने श्री. रेड्डी से किया.

श्री. नाईक ने आगे कहा, "घरेलु ग्राहकों को 14.2 किला का सिलंडर रु. 348.45 को याने प्रति किलो रु. 24.54 के भाव से उपलब्ध है. इस हिसाब से पाँच किलो का सिलंडर रु. 122.70 को मिलना चाहिए. मगर वह तो मानो खो गया है. 5 किलो का सिलंडर सिर्फ वाणिज्य प्रयोग के लिए ही उपलब्ध है जिसका दाम रु. 362.47, याने की 14.2 किला के घरेलु सिलंडर से भी अधिक है. ऐसे में कौनसा घरेलु ग्राहक उसे खरीदेगा? जहाँ तक पहाडी इलाके का सवाल है वहाँ का ग्राहक इतना बडा सिलंडर उठा के ले जा भी नही सकता. न उनकी ऐसी स्थिती है की वह एक साथ इतने पैसे दे सके. इसलिए तो मैंने पेट्रोल मंत्री के नाते पाँच किलो का सिलंडर लाया जो लोकप्रिय भी हुआ."

"एक ओर पाँच किलो का सिलंडर उपलब्ध नहीं, तो दुसरी ओर 14.2 किलो के सिलंडरों की किल्लत, यही वजह है की अब कालाबाजार तेजी मैं है. हमारी सरकार के समय हर किसी को 24 घंटों के अंदर दुसरा सिलंडर हम देते थे. तो अब ऐसा क्या हुआ है जिससे एक महिने से भी अधिक समय लग रहा है, इसकी सरकार जाँच करे", ऐसी माँग भी श्री. नाईक ने की. श्री. जयपाल रेड्डी ने जाँच कर उचित कार्यवाही का श्री. नाईक को आश्वासन दिया.

(कार्यालय मंत्री)